



स्थापित 1954

# जगदम कॉलेज

NAAC द्वारा मान्यता प्राप्त

जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा की अंगीभूत इकाई

छपरा (सारण)

## विवरणिका

2016



वाई-फाई

ई. लाइब्रेरी

लैंग्वेज लैब

स्मार्ट क्लास

बी. सी. ए. कोर्स

नियमित वर्ग

इण्टर से स्नातकोत्तर तक शिक्षण



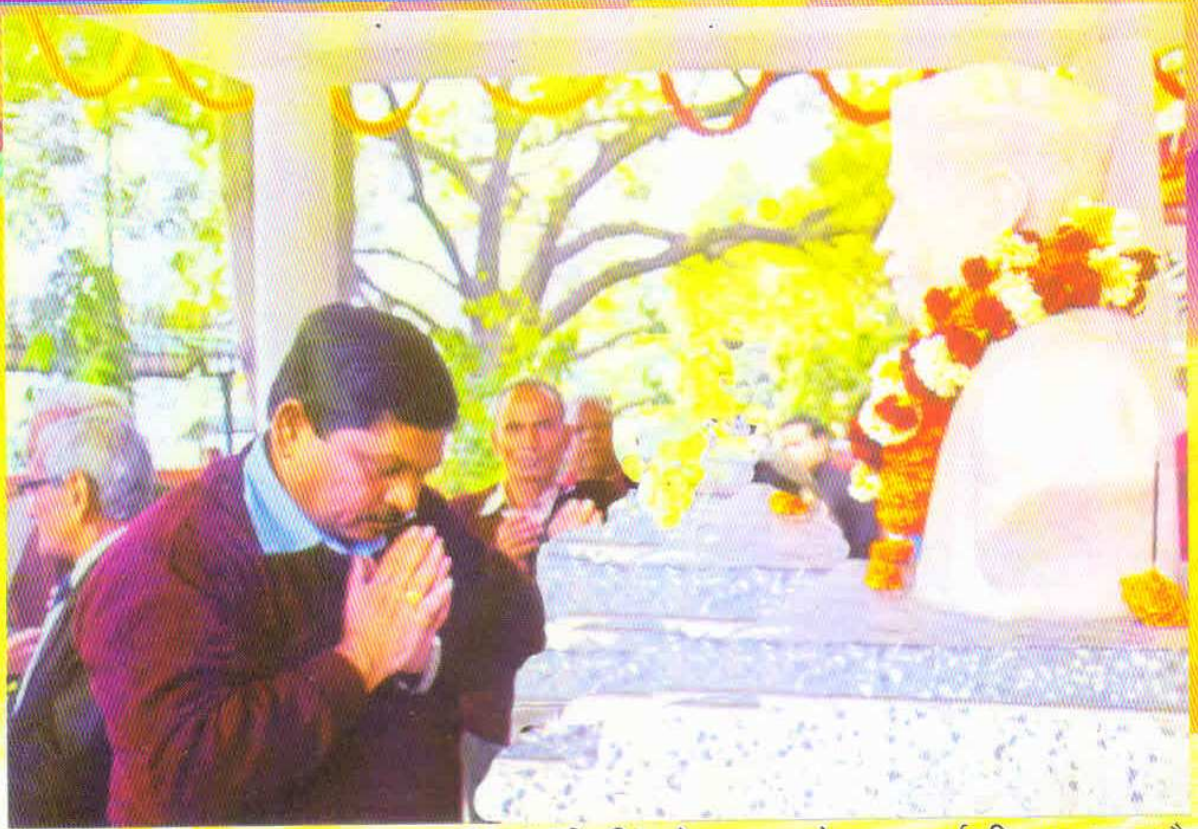
Estd. 1954

## JAGDAM COLLEGE

NAAC Accredited (Grade 'B') College

A constituent unit of Jai Prakash University, Chapra

Chapra (Saran) - 841 301

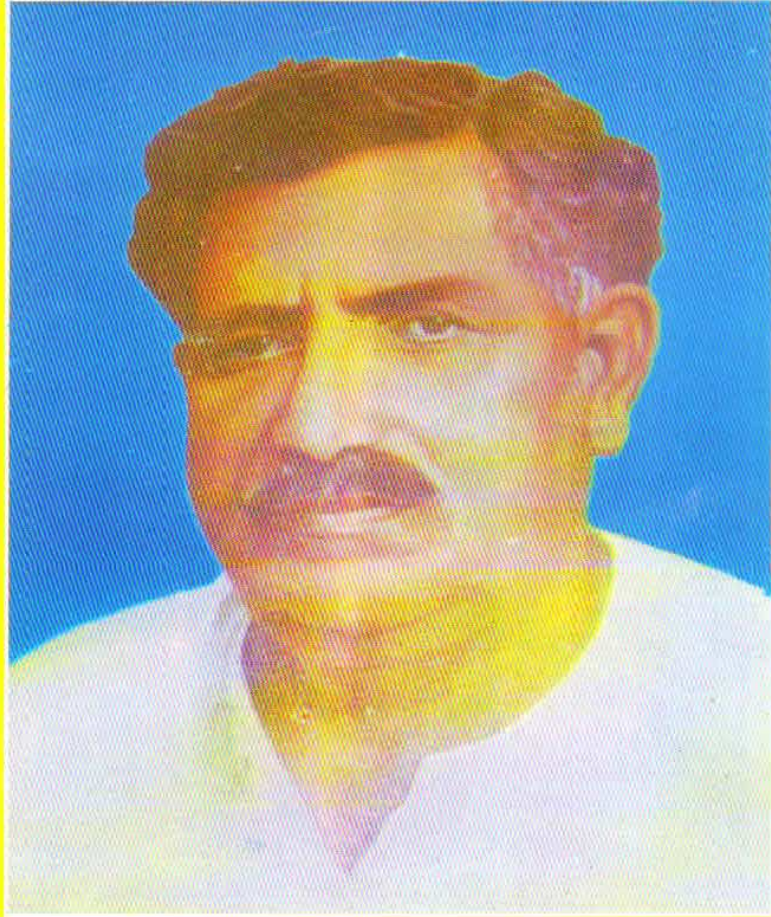


कॉलेज स्थापना दिवस पर स्व. प्रभुनाथ सिंह (मंत्री जी) को नमन करते हुए प्राचार्य श्री कृष्ण कुमार बैठा



पूर्व प्राचार्य प्रो. हरि किशोर पाण्डेय जी को सम्मानित करते हुए प्राचार्य

जगदम कॉलेज, छपरा  
NAAC से मान्यता प्राप्त



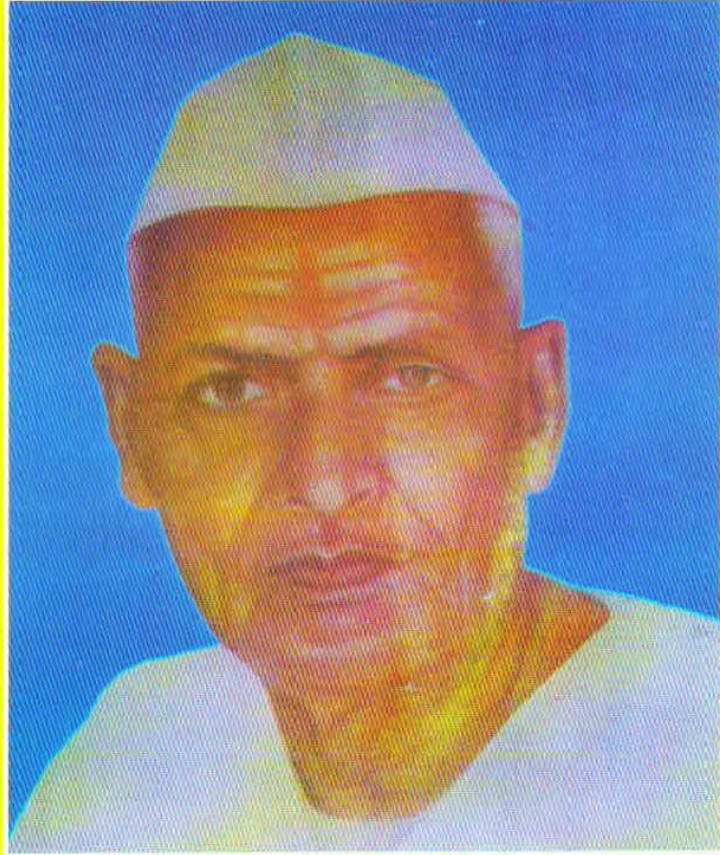
हमारे कुलदेवता

स्व. प्रभुनाथ सिंह (मंत्री जी)

जन्म दिवस – 01.01.1900

महाप्रयाण – 28.01.1969

जगदम कॉलेज, छपरा  
NAAC से मान्यता प्राप्त



दानवीर

स्व. जगदम प्रसाद सिंह

जन्म दिवस – 10.07.1883

महाप्रयाण – 31.12.1978

# जगदम कॉलेज, छपरा

NAAC से मान्यता प्राप्त

## प्राचार्य की कलम से .....



ज्ञान एवं विद्या के इस मन्दिर में अपने को आपके बीच पाकर मैं बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। मैं छात्र, शिक्षक एवं प्राचार्य के रूप में विभिन्न महाविद्यालयों में रह चुका हूँ, परन्तु आज मेरा परिचय, पता एवं पहचान जगदम कॉलेज के प्राचार्य के रूप में भी स्थापित है। मैंने जब यहाँ पदभार ग्रहण किया तो मेरे मन में कॉलेज के सर्वांगीण विकास का एक सपना था। मैं अपने छात्रों, शिक्षकों, शिक्षकेतरकर्मियों, स्थानीय अभिभावकों एवं शहर के बुद्धिजीवियों के सहयोग से इस महाविद्यालय को शैक्षणिक उत्कर्ष के शिखर तक ले जाना चाहता हूँ।

मैं महाविद्यालय की महान परंपरा, संस्कारों तथा इसके स्वर्णिम इतिहास के अनुकूल कार्य करने का प्रयास कर रहा हूँ। इस प्रयास में मुझे अपने छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

मैंने पूर्ण विचारोपरान्त एवं शिक्षकजनों के परामर्शों के आधार पर एक एकेडमिक कैलेण्डर को तैयार करने की योजना की संरचना और उसके अक्षरशः क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। इस शैक्षणिक कैलेण्डर में पठन-पाठन के अतिरिक्त अन्य सहयोगी कार्यक्रमों यथा कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन, शैक्षणिक पर्यटनों की व्यवस्था तथा शोधकार्यों के सम्पादन को भी संयोजित किया जाएगा।

मैं इस अवसर पर आश्वासन देना चाहता हूँ कि महाविद्यालय में उपलब्ध पठन-पाठन की सुविधाओं और वाई-फाई कनेक्टिविटी, ई-लाइब्रेरी, लैंग्वेज लैब, स्मार्ट-क्लास इत्यादि की आनुषंगिक व्यवस्थाओं को और अधिक समुन्नत एवं व्यापक करने के हर संभव कार्य को करूंगा।

महाविद्यालय की गरिमा का अत्यंत प्रशंसनीय पक्ष होता है- पाठ्येतर कार्यक्रमों का संचालन। इसके अंतर्गत खेल-कूद, एन. एस. एस., एन. सी. सी. आदि के कार्यक्रम आयोजित होते हैं। मेरा पूरा ध्यान है कि महाविद्यालय का यह पक्ष पहले से भी अधिक प्रकाशमान बन सके।

महाविद्यालय में खेल-कूद, एन. एस. एस. एवं अन्य गतिविधियों के क्षेत्र में विशेष योग्यता रखने वाले छात्र-छात्राओं को गतवर्ष की भाँति आगे भी प्रोत्साहित किया जायेगा।

आपके सहयोग तथा महाविद्यालय के प्रति समर्पण का ही फल है कि आज यह महाविद्यालय NAAC द्वारा Accredited हो चुका है। मैं सहयोग के इस अद्भुत वातावरण से उत्फुल्लित एवं गौरवान्वित हूँ। पर इतने मात्र से हमारा महाविद्यालय संतुष्ट होने वाला नहीं है। इस गौरव को और भी अधिक संवर्द्धित करने के प्रयास किये जाएंगे।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सबों की शुभकामना एवं सहयोग से यह महाविद्यालय प्रगति के पथ पर हमेशा अग्रसर रहेगा।

अमित शुभकामनाओं के साथ आपका .....

**डॉ. कृष्ण कुमार बैठा**

प्राचार्य

दूरभाष : 06152-232407

E-mail : jagdamcollege@yahoo.com

## जगदम कॉलेज, छपरा

(जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा का अंगीभूत महाविद्यालय)

छपरा के जिला विद्युत बोर्ड कार्यालय एवं प्रभुनाथ नगर के नाम से ज्ञात मुहल्ले के मध्य में, प्रभुनाथ पथ पर, राजेन्द्र सरोवर के समीप छपरा-सोनपुर रेलवे लाईन की उत्तर दिशा में स्थित सुरम्य एवं प्रशांत क्षेत्र में अवस्थित जगदम कॉलेज, छपरा, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा की अंगीभूत इकाई है। यह महाविद्यालय अपनी स्थापना का स्वर्ण-जयंती वर्ष का गरिमाय समारोह 2003 में मना चुका है। सम्प्रति महाविद्यालय में कला और विज्ञान संकाय है। दोनों संकायों में प्रवेशिकोत्तर (इंटर) एवं स्नातक प्रतिष्ठा स्तर तक की शिक्षा के साथ भौतिकी, गणित, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, अंग्रेजी, हिन्दी, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, इतिहास एवं मनोविज्ञान विषयों में स्नातकोत्तर वर्ग तक की पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध है।

### महाविद्यालय का संक्षिप्त इतिहास

बिहार के प्रसिद्ध नेता स्वर्गीय बाबू प्रभुनाथ सिंह (मंत्री जी) एम. एल. ए., स्वर्गीय बनारस सिंह, अधिवक्ता, स्वर्गीय कमला राय एवं नगर के अन्य प्रतिष्ठित सज्जनों के प्रयास से यह महाविद्यालय 15 सितम्बर 1954 को छपरा कॉलेज के नाम से राजपूत हाई स्कूल के भवन के एक भाग में प्रारम्भ किया गया। कॉलेज की स्थापना में राजपूत स्कूल की प्रबंध समिति का महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्वर्गीय कमला राय की इच्छा थी कि महाविद्यालय का नाम प्रभुनाथ कॉलेज हो किन्तु मंत्री जी ने अपने नाम की स्वीकृति नहीं दी। प्रभुनाथ बाबू ने जगदम बाबू से सम्पर्क किया। दानवीर जगदम बाबू ने सन् 1955 में महाविद्यालय को एक लाख रुपये दान दिए। तत्पश्चात महाविद्यालय प्रबंध समिति ने इस कॉलेज का नाम "जगदम कॉलेज, छपरा" रखा।

बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर द्वारा सन् 1955 में इस कॉलेज को आई. ए. और आई. एस-सी. की पढ़ाई प्रारम्भ करने की स्वीकृति तथा दिनांक 19.03.1956 को डिग्री की प्रस्वीकृति प्रदान की। दिनांक-01.04.1975 से ही यह अंगीभूत कॉलेज के रूप में प्रतिष्ठित है।

1956 से इस कॉलेज ने सभी दिशाओं में यथेष्ट प्रगति की है। बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर (अब बाबा साहेब भीमराव अम्बेदकर बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर) द्वारा आयोजित अन्तर महाविद्यालय एथलेटिक प्रतियोगिता में यह कॉलेज लगातार 16 बार "एथलेटिक" चैम्पियन रहा है। प्रतिवर्ष इस महाविद्यालय के छात्र एवं छात्रायें पढ़ाई में अच्छे अंक से पास होते हैं तथा विश्वविद्यालय एवं अन्तर विश्वविद्यालय की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर विशिष्ट स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय को गरिमा प्रदान करते हैं।

## विशेषताएँ

1. प्रकृति के सुरम्य वातावरण में शहर के कोलाहल से दूर छपरा का एकमात्र शिक्षण संस्थान।
2. कला एवं विज्ञान संकायों में योग्य एवं अनुभवी प्राध्यापकों द्वारा इन्टर, स्नातक एवं स्नातकोत्तर में अध्ययन –अध्यापन की सुविधा एवं उत्तम परीक्षाफल।
3. समृद्ध पुस्तकालय (ई. लाईब्रेरी युक्त) एवं सुसज्जित प्रयोगशालायें।
4. शैक्षणिक गतिविधियों के सथ ही सेमिनार, संगोष्ठी एवं छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु खेलकूद की उत्तम व्यवस्था।
5. नालन्दा खुला विश्वविद्यालय, पटना का अध्ययन केन्द्र।
6. खेलकूद का समुचित सम्मान एवं राज्यस्तरीय प्रशिक्षक/पी. टी. आई.।
7. राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग इकाई।
8. यहाँ के NCC इकाई 2/7 कम्पनी के द्वारा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्तम प्रदर्शन।
9. विद्यार्थियों के लिए रेल के रियायती टिकट का प्रावधान।
10. कॉलेज छात्रों का राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिता परीक्षाओं में उत्तम प्रदर्शन।
11. यू. जी. सी. के सहयोग से राज्य एवं केन्द्र स्तर की प्रतियोगिता परीक्षाओं में अनुसूचित जाति/अल्पसंख्यक छात्रों की तैयारी हेतु विशेष कोचिंग की व्यवस्था।
12. यू. जी. सी. द्वारा पोषित कैरियर काउन्सेलिंग सेल की स्थापना।
13. लगातार पाँच वर्षों से अनेक विभागों में सेमिनार तथा कार्यशाला का आयोजन।
14. विज्ञान एवं प्राद्यौगिकी विभाग द्वारा इन्सपायर कार्यक्रम करने की परम्परा।
15. यू. जी. सी. के सहयोग से महिला छात्रावास एवं इन्डोर स्टेडियम का निर्माण अन्तिम चरण में।
16. प्रशासनिक भवन के प्रथमतल पर सेमिनार/कॉन्फ्रेंस हॉल।
17. यू. जी. सी. के द्वारा पोषित अनेक कार्यक्रमों का सफलता पूर्वक आयोजन।
18. स्मार्ट क्लास एवं लैंग्वेज लैब की सुविधा।
19. छात्रहित में चिकित्सा कक्ष सहित चिकित्सा सुविधा (डिसपेंसरी) उपलब्ध।
20. बी. सी. ए. की पढ़ाई की सुविधा।

ध्यातव्य : इस विवरणिका में प्रदत्त छात्र, आवेदक, अभिभावक, कर्मचारी, शिक्षक आदि शब्द समानार्थक स्त्रीलिंग के शब्दों का भी अभिप्राय रखते हैं।

# जगदम कॉलेज, छपरा

NAAC से मान्यता प्राप्त

## Teaching Faculty

1. Dr. Krishan Kumar Baitha	Principal
<b>Department - Hindi</b>	
2. Dr. Ram Naresh Rai	Associate Prof. & Head
3. Dr. Ram Pujan Yadav	Assistant Professor
4. Dr. Dilip Kumar Srivastava	Assistant Professor
5. Dr. Amrendra Kumar	Assistant Professor
<b>Department - English</b>	
6. Dr. Amar Nath Prasad	Associate Prof. & Head
7. Dr. Chandra Bhooshan Prasad	Associate Professor
8. Dr. Somnath Jha	Assistant Professor
9. Dr. R. P. Singh	Assistant Professor(On Lien)
<b>Department - Psychology</b>	
10. Dr. Jago Chaudhary	Assistant Prof. & Head
11. Dr. Vijay Pratap Kumar	Associate Professor
<b>Department - Philosophy</b>	
12. Lt. Dr. Vishwamitra Pandey	Assistant Prof. & Head
<b>Department - Economics</b>	
13. Dr. Prabhawati Singh Chauhan	Associate Prof. & Head
14. Dr. Binay Kumar Singh	Assistant Professor
<b>Department - Pol. Science</b>	
15. Dr. Kedar Prasad	Associate Prof. & Head
<b>Department - History</b>	
16. Dr. Chiranjiv Lochan	Associate Prof. & Head
<b>Department - Mathematics</b>	
17. Dr. Ram Narayan Mahto	Assistant Prof. & Head
18. Dr. Raj Narayan Singh	Assistant Professor
<b>Department - Chemistry</b>	
19. Dr. Sanjay Kumar	Assistant Prof. & Head
20. Dr. Rajesh Kumar Singh	Assistant Professor
<b>Department - Physics</b>	
21. Dr. Sunil Kumar Verma	Associate Prof. & Head
22. Dr. Shail Kumari	Associate Professor
23. Dr. Mahendra Singh	Associate Professor
24. Dr. Ramendra Kumar Singh	Assistant Professor
<b>Department - Zoology</b>	
25. Dr. Gajendra Prasad Singh	Associate Prof. & Head
26. Dr. Rana Vikram Singh	Assistant Professor
<b>Department - Botany</b>	
27. Dr. Amrendra Kumar Jha	Associate Prof. & Head
28. Sri Jai Narayan Singh	Associate Professor

## Non-Teaching Faculty

1. Sri Braj Kishor Singh	Librarian
2. Sri Shambhu Patel	Head Assistant
3. Sri Manoranjan Prasad Singh	Assistant
4. Sri Brish Ket Narayan Singh	Store Keeper
5. Sri Shashi Bhushan Singh	Routine Clerk
6. Sri Brajendra Singh	Routine Clerk
7. Sri (Dr.) Arun Kumar Singh	Lab. Tech.
8. Sri Ravi Ranjan Singh	R/C
9. Sri Vishwas Ranjan	R/C
10. Md. Ahmed Sayeed Shaharyar	R/C
11. Sri Abhishek Kumar	R/C
12. Sri Nawlesh Kumar	LDC
13. Sri Prem Kumar	LDC
14. Sri Anup Kumar	LDC
15. Sri Anil Sharma	LDC
16. Sri Dindayal Ram	LDC
17. Sri Ram Ratan Sharma	LDC
18. Sri Dilip Kumar Singh	LDC
19. Sri Santosh Kumar Tiwary	LDC
20. Sri Arvind Kumar	LDC
21. Sri Uma Prasad Singh	Lab Boy
22. Sri Indramani Singh	Lab Boy
23. Sri Tej Narayan Singh	Lab Boy
24. Md. Habibullah Khan	Gen. Peon
25. Sri Arun Kumar Singh	Gen. Peon
26. Sri Dharm Nath Sah	Gen. Peon
27. Sri Srinivas Singh	Gen. Peon
28. Sri Baban Prasad Singh	Gen. Peon
29. Sri Pawan Singh	Gen. Peon
30. Sri Santosh Kumar	Gen. Peon
31. Smt. Lalmati Devi	Gen. Peon
32. Sri Mukund Kumar	Gen. Peon
33. Sri Manoj Roy	Gen. Peon



# जगदम कॉलेज, छपरा

NAAC से मान्यता प्राप्त

## पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र की अवधि 1 जून से 31 मई तक निर्धारित है।

### त्रिवर्षीय स्नातक कला/विज्ञान प्रतिष्ठा

#### 1. स्नातक प्रथम/द्वितीय खण्ड – कला एवं विज्ञान

(क) अनिवार्य विषय (हिन्दी छात्रों के लिए)	पत्र	पूर्णांक	उत्तीर्णांक
आधुनिक भारतीय भाषा हिन्दी	एक प्रथम/द्वितीय	100	33
अहिन्दी छात्रों के लिए हिन्दी –	एक प्रथम/द्वितीय	50	17
उर्दू/अंग्रेजी –	एक प्रथम/द्वितीय	50	17

} 33

#### (ख) प्रतिष्ठा का विषय (ऐच्छिक) – कोई एक विषय

पत्र	सैद्धांतिक विषय		प्रायोगिक विषय	
	पूर्णांक	उत्तीर्णांक	पूर्णांक	उत्तीर्णांक
प्रथम एवं द्वितीय	100-100	90	75-75	67
प्रायोगिक	X	X	50	23
तृतीय एवं चतुर्थ	100-100	90	75-75	67
प्रायोगिक	X	X	50	23

#### (ग) अनुपूरक विषय (ऐच्छिक) – कोई दो विषय (प्रतिष्ठा के विषय के अतिरिक्त)

विषय	पत्र	सैद्धांतिक विषय		प्रायोगिक विषय	
		पूर्णांक	उत्तीर्णांक	पूर्णांक	उत्तीर्णांक
1	प्रथम/द्वितीय	100	33	75	23
	प्रायोगिक	X	-	25	10
2	प्रथम/द्वितीय	100	33	75	23
	प्रायोगिक	X	-	25	10

# जगदम कॉलेज, छपरा

NAAC से मान्यता प्राप्त

## 2. स्नातक तृतीय खण्ड – कला/विज्ञान

(क) अनिवार्य विषय	पत्र	पूर्णांक	उत्तीर्णांक
सामान्य अध्ययन (जी. एस.)	एक	100	33
(ख) सिर्फ प्रतिष्ठा विषय के 4 पत्र (वही विषय जो स्नातक प्रथम खण्ड में था)			

सैद्धांतिक विषय			प्रायोगिक विषय		
पत्र	पूर्णांक	उत्तीर्णांक	पत्र	पूर्णांक	उत्तीर्णांक
5 (पाँचवां)	100	180	5 (पाँचवां)	100	135
6 (छठा)	100		6 (छठा)	100	
7 (सातवां)	100		7 (सातवां)	100	
8 (आठवां)	100		8 (आठवां)	100	45

# अंग्रेजी का आठवां पत्र लिखित 70 अंक का एवं साक्षात्कार 30अंक का होगा।

- ध्यातव्य (1) स्नातक खण्ड – I/II के परीक्षा विषयों – हिन्दी रचना/आधुनिक भारतीय भाषा, प्रतिष्ठा विषय तथा अनुपूरक विषय कुल चार विषय में से कम से कम किन्हीं दो विषयों में उत्तीर्ण होने पर आगे के वर्गों में प्रोन्नति मिलती है। किन्हीं तीन में असफल होने पर अनुत्तीर्ण समझे जाएंगे। असफल विषय की परीक्षा उत्तीर्ण होने पर उत्तीर्ण स्नातक खण्ड –III का परीक्षाफल घोषित किया जाता है।
- (3) स्नातक के तीनों खण्डों के प्रतिष्ठा प्राप्तांकों के योग (जी. एस. का प्राप्तांक छोड़कर) पर ही परीक्षाफल निर्धारित होता है।
- (4) स्नातक तृतीय खण्ड की परीक्षा के पहले स्नातक प्रथम खण्ड की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।
- (5) स्नातक खण्ड –II की परीक्षा में प्रोन्नति कर गये अर्थात् एक या दो विषय में असफल हैं फिर भी स्नातक खण्ड – III की परीक्षा दे सकते हैं। अगले परीक्षा में खण्ड – II की असफल विषयों की परीक्षा/अनुत्तीर्ण जी. एस. की परीक्षा उत्तीर्ण होने पर ही अन्तिम परीक्षा का परीक्षाफल घोषित होगा।



## स्नातक परीक्षाफल में श्रेणियाँ

प्रथम श्रेणी	-	480 या अधिक अंक
द्वितीय श्रेणी	-	360 या अधिक अंक
विशिष्टतांक	-	600 या अधिक अंक

## महाविद्यालय में ऐच्छिक विषयों के लिए उपलब्ध विषय

### संकाय

### विषय

स्नातक कला -	इतिहास, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, राजनीतिशास्त्र, दर्शनशास्त्र, गणित एवं इन भाषाओं में से कोई एक - हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी एवं उर्दू। एक ही भाषा को दो विषय के रूप में नहीं लिया जा सकता है। इस प्रकार प्रतिष्ठा, अनुपूरक- I और अनुपूरक - II के विषय भी अलग-अलग होना चाहिए।
स्नातक विज्ञान -	गणित, वनस्पतिशास्त्र, जन्तुशास्त्र, रसायनशास्त्र और भौतिकी।

## विषयों का चयन निम्नानुसार होगा

प्रतिष्ठा का विषय	अनुपूरक - I	एवं	अनुपूरक - II
गणित हो तो	रसायनशास्त्र	एवं	भौतिकी
वनस्पतिशास्त्र हो तो	रसायनशास्त्र	एवं	जन्तुशास्त्र
जन्तुशास्त्र हो तो	रसायनशास्त्र	एवं	वनस्पतिशास्त्र
भौतिकी हो तो	रसायनशास्त्र	एवं	गणित
रसायनशास्त्र हो तो	भौतिकी	एवं	गणित

ध्यातव्य : 1) खण्ड - I के ही विषय खण्ड - II के लिए मान्य होंगे।

## द्विवर्षीय इंटर कला/विज्ञान

इण्टर कला (आई. ए.) एवं इण्टर विज्ञान (आई. एस-सी.) छात्रों के लिए

1. अनिवार्य विषय— अनिवार्य भाषा और साहित्य – 100 अंक  
(हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत में से कोई एक)
2. अनिवार्य विषय – अहिन्दी (NRB) 100 अंक  
विषय – अंक  
हिन्दी 50 अंक  
उर्दू या अंग्रेजी 50 अंक
3. ऐच्छिक विषय:— (गणित पढ़ने वाले छात्रों के लिए)  
इण्टर विज्ञान : (1) रसायनशास्त्र (2) भौतिकी विज्ञान  
अतिरिक्त : (1) कम्प्यूटर साइन्स

ऐच्छिक विषय:— (बायोलोजी पढ़ने वाले छात्रों के लिए)

- इण्टर विज्ञान : (1) रसायनशास्त्र (2) भौतिकी विज्ञान  
अतिरिक्त : (1) गणित या कम्प्यूटर साइन्स

नोट : इण्टर कला/विज्ञान में नामांकन मेधा सूची के अनुसार किया जायेगा।

1. इण्टर में नामांकित छात्रों के (11वीं की वार्षिक) परीक्षा प्रथम सत्र के अन्त में देना अनिवार्य होगा।
2. जो छात्र अन्य किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उत्तीर्ण होंगे, उन्हें Original Migration Certificate संलग्न करना होगा।

## इण्टर कला छात्रों के लिए

निम्नलिखित में से केवल तीन ऐच्छिक विषय लिये जा सकते हैं :-

1. भाषा एवं साहित्य (सिर्फ संस्कृत)
2. इतिहास
3. दर्शनशास्त्र
4. गणित
5. अर्थशास्त्र
6. राजनीतिशास्त्र
7. मनोविज्ञान

**अतिरिक्त विषय :** उपर्युक्त विषयों में से कोई एक अतिरिक्त विषय के रूप में रखा जा सकता है। अगर कोई विद्यार्थी दोनों अनिवार्य विषयों के अतिरिक्त ऐच्छिक विषय में से किसी एक में अनुत्तीर्ण होगा तो अतिरिक्त में उसे उत्तीर्ण होने का लाभ मिलेगा। सभी विषयों में उत्तीर्ण हैं तो उसका परीक्षाफल चार ऐच्छिक विषय में से तीन विषयों जिनमें अधिक अंक हैं के आधार पर निश्चित किया जायेगा। जिस विषय में उसे सबसे कम अंक आयेगा वही उसका अतिरिक्त विषय माना जाएगा। किन्तु भाषा और साहित्य का कोई विषय अतिरिक्त विषय नहीं होगा।

## द्विवर्षीय इंटर विज्ञान छात्रों के लिए -

1. भौतिकीशास्त्र - एक पत्र 100 अंक (प्रायोगिक 30 अंक + सैद्धान्तिक - 70 अंक)
  2. रसायनशास्त्र - एक पत्र 100 अंक (प्रायोगिक 30 अंक + सैद्धान्तिक - 70 अंक)
  3. गणित - एक पत्र 100 अंक  
अथवा  
जीव विज्ञान - एक पत्र 100 अंक  
(1) जीव विज्ञान सैद्धान्तिक पत्र 70 अंक  
(2) वनस्पतिशास्त्र प्रायोगिक - 15 अंक एवं जन्तु विज्ञान प्रायोगिक 15 अंक ।
- अतिरिक्त विषय - (1) जीव विज्ञान (PCB) के छात्रों के लिए - गणित, कम्प्यूटर साइंस एवं Multimedia & Web Technology में से कोई एक ।
- ध्यातव्य - इण्टरमेडिएट परीक्षा उत्तीर्ण होने के लिए सैद्धान्तिक पत्र में पूर्णांक का 30 प्रतिशत तथा प्रायोगिक पत्र में उसके पूर्णांक का 40 प्रतिशत प्राप्त करना होगा।
- प्रथम श्रेणी- 60 प्रतिशत, द्वितीय श्रेणी- 45 प्रतिशत, तृतीय श्रेणी- 45 प्रतिशत से कम (कम से कम 30 प्रतिशत)
4. एक ही भाषा को अनिवार्य एवं ऐच्छिक दोनों रूप में नहीं लिया जा सकता है।

## नामांकन के आधार

नामांकन का आधार इस प्रकार होंगे -

- (1) इण्टर वर्ग (प्रथम वर्ष) प्रवेश के लिए - माध्यमिक (मैट्रिक) परीक्षा की उत्तीर्णता ।
- (2) स्नातक प्रतिष्ठा खण्ड - I में प्रवेश के लिए - इण्टर परीक्षा की उत्तीर्णता ।
- (3) स्नातक प्रतिष्ठा खण्ड - II के लिए - स्नातक खण्ड - I की परीक्षा की उत्तीर्णता या प्रोन्नति
- (4) स्नातक प्रतिष्ठा खण्ड - III के लिए - स्नातक खण्ड - I तथा स्नातक खण्ड - II की परीक्षा की उत्तीर्णता या प्रोन्नति

## (क) मेधाविता श्रेणी

स्वीकृत स्थानों का 50 प्रतिशत मेधाविता क्रम (Merit List) से नामांकन होगा।

## (ख) जातीय आरक्षण श्रेणी

इण्टर/स्नातक कला/विज्ञान एवं स्नातकोत्तर में स्वीकृत स्थानों में आरक्षण, बिहार सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार लागू होगा।

## निर्धारित शुल्क

(क) अनिवार्य शुल्क (₹ में)

विवरण	इण्टर दो वर्ष		स्नातक प्रतिष्ठा (प्रति वर्ष)		स्नातकोत्तर (प्रति सेमेस्टर)	
	कला	विज्ञान	कला	विज्ञान	कला	विज्ञान
1. अध्ययन शुल्क	288	312	1000	1100	760	960
2. प्रवेश शुल्क	12	13				
3. विविध शुल्क	620	690				
4. आन्तरिक जाँच शुल्क	150	150				
5. विप्रेषण शुल्क	100	100				
6. राष्ट्रीय सेवा योजना शुल्क	15	15				
7. तरंग एवं एकलव्य शुल्क	10	10				
8. विकास शुल्क	400	400				
9. उत्प्रेषण परीक्षा शुल्क	150	150				
कुल	1745	1840	1000	1100	760	960



## निर्धारित शुल्क

(ख) संबंधित छात्र/आवेदक छात्र पर लागू शुल्क (₹ में)

क्रम	विवरण	इण्टर		स्नातक	
		कला	विज्ञान	कला	विज्ञान
1.	महाविद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र	50	50	50	50
2.	उपर्युक्त प्रमाण पत्र की अनुकृति (विशेष परिस्थिति में)	50	50	50	50
3.	स्थानांतरण प्रमाण पत्र	50	50	50	50
4.	आचरण प्रमाण पत्र	25	25	25	25
5.	अध्ययन प्रमाण पत्र	25	25	25	25
6.	परिचय प्रमाण पत्र अनुकृति	50	50	50	50
7.	पुस्तकालय प्रमाण पत्र अनुकृति	25	25	25	25

ध्यातव्य : 1. कभी भी स्थानांतरण प्रमाण पत्र (T.C.) की अनुकृति (Duplicate) प्रति नहीं दी जायेगी।  
2. महाविद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र (C.L.C.) की अनुकृति एक ही बार मिलेगी/इसके लिए संबंधित विहित एफिडेविट पत्र के साथ एक आवेदन देना होगा।

(ग) अन्य शुल्क (₹ में)

क्रम	विवरण	इण्टर		स्नातक	
		कला	विज्ञान	कला	विज्ञान
1.	नामांकन आवेदन प्रपत्र	160	160	160	160
2.	प्रमाण पत्र याचना प्रपत्र	10	10	10	10
3.	निःशुल्कता याचना प्रपत्र	10	10	10	10
4.	महाविद्यालय आने/जाने के लिए देय रेल यात्रा के मासिक टिकट में छूट के लिए	10	10	10	10
5.	माता/पिता या अभिभावक के या दीर्घ-अवकाश में आने/जाने या किसी शैक्षणिक संस्थान की प्रवेश परीक्षा में आने/जाने के लिए रेल टिकट में छूट के लिए आवेदन प्रपत्र	20	20	20	20

ध्यातव्य : कोई भी शुल्क कार्यालय के खुला रहने पर निर्धारित समय के अन्दर ही लिया जायेगा।

**स्नातकोत्तर वर्ग (सेमेस्टर प्रणाली)**

क्रम	विषय	प्रथम सेमेस्टर	द्वितीय सेमेस्टर	तृतीय सेमेस्टर	चतुर्थ सेमेस्टर	पूर्णांक
1.	मनोविज्ञान	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	1600
2.	अर्थशास्त्र	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	1600
3.	राजनीति शास्त्र	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	1600
4.	इतिहास	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	1600
5.	हिन्दी	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	1600
6.	अंग्रेजी	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	1600
7.	भौतिकी	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	1600
8.	रसायन शास्त्र	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	1600
9.	जन्तु शास्त्र	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	1600
10.	वनस्पति शास्त्र	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	1600
11.	गणित	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	चार पत्र	1600

❖ प्रायोगिक विषयों में प्रत्येक सेमेस्टर का चौथा पत्र प्रायोगिक है।

❖ अन्य विषयों में प्रत्येक सेमेस्टर के प्रत्येक पत्र में 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर दिये जाते हैं।



## नामांकित छात्र पर लागू नियम

1. कोई भी शुल्क दें तो रसीद अवश्य लें।
2. स्थानांतरण की अनुमति अभिभावक की सहमति, उचित कारण की प्रस्तुति, अनुकूल स्थिति की विद्यमानता और संबंधित संस्थान की अतिदूरता (कम से कम 5 कि. मी.) पर ही दी जायेगी।
3. बिना पूर्वानुमति के छात्र किसी कक्ष में प्रवेश न करें और नहीं कोई सामान (साईकिल आदि) रखें।
4. छात्र अपनी साईकिल को साईकिल स्टैण्ड (शेड) में ही लगायें।
5. किसी भी छात्र/कर्मचारी/शिक्षक के साथ दुर्व्यवहार करने वाले छात्र का नामांकन रद्द किया जा सकता है।
6. महाविद्यालय से संबंधित रूटीन, अवकाश, कार्यक्रम आदि की छात्रोपयोगी सूचनाएं सूचना पट्ट पर दी जायेगी।
7. पुस्तकालय से पुस्तकें निर्धारित दिन, संख्या और नियम के अनुसार मिलेगी। 8 वें दिन तक पुस्तक न लौटाने पर 2 ₹ प्रतिदिन की दर से दण्ड शुल्क लिया जायेगा। पुस्तकालय से प्राप्त पुस्तकें न लौटाने या खण्डित लौटाने पर छात्र को उस पुस्तक की दूसरी प्रति देनी होगी या नहीं तो उस पुस्तक पर अंकित मूल्य की दुगुनी राशि लगेगी।
8. परिषद् या विश्वविद्यालय की परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति उसी छात्र को दी जायेगी –  
(क) वर्ग में जिसकी उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम न रही हो।  
(ख) जिसका आचरण भद्र रहा हो और  
(ग) महाविद्यालय की आन्तरिक परीक्षा में जो उत्तीर्ण हुआ हो।
9. किसी भी विषय/विभाग से संबंधित कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण संबंधित अध्यक्ष/प्रभारी से प्राप्त किया जा सकता है।
10. विद्यालय/महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त कागजातों (Documents) की छायाप्रति के Attestation हेतु परीक्षा शाखा/वातायन शाखा से मूलप्रति दिखाकर जाँच कराना होगा। इसका सत्यापन शुल्क 5 ₹ है। पाँच प्रति से ज्यादा का Attestation नहीं किया जायेगा।
11. महाविद्यालय के नियम आवश्यकता पड़ने पर कभी भी परिवर्तित किये जा सकते हैं।

## नामांकन संबंधित नियम

1. नामांकन के लिए आवेदन प्रपत्र रोकड़ प्रशाखा (लेखा शाखा) से निर्धारित शुल्क देकर प्राप्त होगा।
2. आवेदन के समय आधार परीक्षा में प्राप्त अंक पत्र एवं आरक्षित स्थान पर नामांकन के लिए जाति प्रमाण-पत्र की एक-एक छायाप्रति आवेदन के साथ संलग्न कर काउण्टर पर जमा करना होगा। इसकी प्राप्ति रसीद अवश्य लेनी चाहिए, अन्यथा आवेदन पत्र की प्राप्ति के लिए कार्यालय उत्तरदायी नहीं होगा।
3. आवेदक निश्चित अवधि के अन्दर (सूचित तिथि के अनुसार ही) अपना आवेदन प्रपत्र जमा करें। अन्तिम तिथि के बाद आवेदन प्रपत्र स्वीकार नहीं होगा।
4. इण्टर तथा स्नातक प्रथम खण्ड में प्रवेश हेतु माध्यमिक परीक्षा तथा इण्टर परीक्षा में क्रमशः न्यूनतम 40% तथा 45% प्राप्तांक आवश्यक है।
5. नामांकन के लिए चुने जाने पर आवेदन प्रपत्र के साथ निम्नांकित पत्रों को संलग्न करना अनिवार्य है –
  - (क) आधार परीक्षा में प्राप्त अंक पत्र की दो छायाप्रतियाँ।
  - (ख) आधार परीक्षा के प्रवेश पत्र की दो छायाप्रतियाँ।
  - (ग) जाति/अनुशासा/अपंगता के आधार पर आवेदन करने वालों के लिए संबंधित प्रमाण पत्र की एक छायाप्रति एवं मूलप्रति।
  - (घ) आवेदक का स्वहस्ताक्षरित फोटो (पासपोर्ट आकार में) भरे हुए आवेदन प्रपत्र में साट कर।
  - (च) परित्यक्त शिक्षण संस्थान का प्रमाण पत्र (S.L.C./C.L.C.) की दो छायाप्रतियाँ।
  - (छ) आवेदन प्रपत्र की प्राप्ति रसीद।
  - (ज) सूचीकरण/पंजीकरण के लिए आवेदन प्रपत्र भरा हुआ।
  - (झ) यदि आवेदक प्रव्रजित है तो प्रव्रजन प्रमाण पत्र (Migration Certificate) की मूलप्रति जमा करना होगा।
  - (ट) सभी छायाप्रतियों की मूल प्रति संबंधित नामांकन प्रभारी को दिखाना अनिवार्य है, ताकि छायाप्रतियों को अभिप्रमाणित किया जा सके।
  - (ठ) निर्धारित शुल्क।
6. अनुशासा, जाति, प्रव्रजन प्रमाण-पत्र को छोड़कर अन्य सभी प्रमाण-पत्र नामांकित छात्र को लौटा दिया जायेगा।
7. नामांकन न होने पर आवेदित नामांकन आवेदन प्रपत्र नहीं लौटाया जायेगा।
8. त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में प्रत्येक वर्ष नामांकन कराना होगा।
9. एक बार नामांकन होने के बाद, विषय परिवर्तन नहीं होगा।

# अविस्मरणीय अवसर



स्वच्छ भारत अभियान में योगदान देते हुए प्राचार्य, शिक्षक एवं छात्र



N.C.C. कार्यक्रम में भाग लेते हुए गणमान्य अतिथि



झाँकी निकालते हुए एन. एस. एस. छात्र



गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए एन. सी. सी. के छात्र



स्वच्छ भारत अभियान में योगदान देते हुए प्राचार्य, शिक्षक एवं छात्र

